शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 जुलाई 2021
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि का उनके समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

कु.प्रीतिबाला अलावे (शोधार्थी)
डॉ.मंजू शर्मा (शोध निर्देशिका)
माता जीजाबाई शास. स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय
इंदौर, मध्यप्रदेश, भारत

शोध संक्षेप

किशोर राष्ट्र की निधि व भविष्य के राष्ट्र निर्माता है। एक अच्छे किशोर के निर्माण के लिए परिवार, विद्यालय एवं समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किशोर बालकबालिकाओं के जीवन में समायोजन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। साथ ही किशोर परिस्थिति, पर्यावरण के मध्य अपने आपको समायोजित करने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है। एक सुसमायोजित किशोर तो प्रसन्न रहता है और दूसरों को भी प्रसन्नता देता है। किशोर की इच्छाओं, विचारों, प्रेरणाओं और लक्ष्यों आदि में समन्वय जितना ही अधिक होता है, समायोजन उतना ही अच्छा होता है। किशोर धीरे-धीरे अपनी बुद्धि एवं सूझ-बूझ से समायोजित होने का प्रयास करते हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन का शीर्षक "किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि का उनके समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन" से संबंधित है।

शब्द कुंजी : *किशोर-किशोरियाँ, बुद्धि लब्धि (पारिवारिक शैक्षणिक, सांवेगिक एवं सामाजिक समायोजन)*

भूमिका

प्रस्तुत शोध कार्य में शोध क्षेत्र के रूप में बड़वानी जिले का चयन किया गया। बड़वानी जिले में निवास करने वाले महाविद्यालयीन किशोर-160 व महाविद्यालयीन किशोरी-160 कुल 320 किशोर-किशोरियों को लिया गया। जिनकी आयु 17-21 वर्ष है। तथ्य संकलन हेतु डॉ.एस.के. पाल एवं के.एस. मिश्रा द्वारा निर्मित Test of general intelligence for college student (TGI) और प्रो.डी.एन. श्रीवास्तव एवं डॉ. गोविन्द तिवारी द्वारा निर्मित The adjustment inventory (for graduate and post graduate student only) शोध उपकरण का प्रयोग किया गया। तथ्यों के विश्लेषण के लिए टी परीक्षण एवं एनोवा परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणामों के विश्लेषण पश्चात् निम्न लिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए।

1 किशोर एवं किशोरीयों की बुद्धि लब्धि में सार्थक अंतर का अध्ययन करने पर प्राप्त परिणामों के आधार पर किशोरियों की बुद्धि लब्धि किशोरों की बुद्धि लब्धि से अधिक पायी गई।

2 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध में किशोरियों का पारिवारिक समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक पाया गया।

3 किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के शैक्षणिक समायोजन के समान पाया गया अर्थात् किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

4 किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के संवेगात्मक समायोजन से अधिक पाया गया अर्थात् किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन में सार्थक अंतर है।

5 किशोरियों का सामाजिक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के सामाजिक समायोजन से अधिक पाया गया अर्थात् किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है।

6 बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन के संबंध में किशोर एवं किशोरियों में सार्थक अंतर है। यह स्पष्ट है कि किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन, किशोरों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन से अधिक है।

प्रस्तावना

किशोरावस्था में समायोजन की समस्या किशोर-किशोरियों में बनी रहती है। परिस्थितियों एवं समय के अनुसार विद्यार्थियों को अपने व्यवहार में परिवर्तन लाना अत्यंत आवश्यक है। किशोर धीरेधीरे समायोजन स्थापित कर सामाजिक प्राणी बन जाता है। महाविद्यालय में शिक्षकों एवं सहपाठियों के साथ, घर पर माता-पिता के साथ एवं समाज के लोगों के साथ उसका समायोजन कैसा है ? यह उसकी समझ पर निर्भर करता है। परिवार एवं समाज के साथ महाविद्यालय में समायोजन की समस्या से उसे लड़ना पड़ता है। किशोरावस्था सबसे अधिक वृद्ध एवं विकास का समय है। इस उम्र में बुद्धि अपनी चारम सीमा तक पहुंचने का प्रयत्न करती है तथा तार्किक चिंतन, सूक्ष्म और गहन विचार, शक्ति एकाग्रता आदिसभी मानसिक शक्तियाँ विकसित हो जाती है। किशोरों में आत्मीकरण एवं समंजन, दो प्रमुख प्रक्रियाएँ चलती है जो उसे समायोजन स्थापित करने में सहायता देती है। जिसके द्वारा किशोर वातावरण में अंत:क्रिया कर व्यवहार में नवीन परिवर्तन लाते है तथा समायोजन करते हैं।

शोध अध्ययन का उद्देश्य

1 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि को ज्ञात करना।

2 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध का अध्ययन करना।

3 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन के संबंध का अध्ययन करना।

4 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन के संबंध का अध्ययन करना।

5 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन के संबंध का अध्ययन करना।

6 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और समायोजन के संबंध का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की उपकल्पना

1 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

2 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

3 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

4 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

5 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

6 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध साहित्य का पुनरावलोकन

तृषा शर्मा (2019) के शोध अध्ययन का उद्देश्य उच्च शैक्षिक उपलब्धि तथा निम्न शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थियों के मध्य बुद्धि के आयामों की तुलना करना है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के सरस्वती शिशु मंदिर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11वीं के 400 विद्यार्थियों को स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्श द्वारा चयनित किया गया। अध्ययन में पाया गया की उच्च शैक्षिक उपलब्धि एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की बुद्धि एवं उसके सभी आयामों के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया, केवल बुद्धि के आयाम उत्तम तर्क में सार्थक अंतर पाया गया है।

पाण्डे, राजेश एवं तिवारी, सारिका (2008) 74 - ने विद्यार्थीयों में सामाजिक समायोजन क्षमता का वैज्ञानिक विश्लेषण विषय पर अध्ययन किया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्चत्तर माध्यमिक स्तर में विद्यार्थियों की सामाजिक समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इसके लिये न्यादर्श के रूप में उच्चतर माध्यमिक स्तर में 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रदन्त संकलन में लिये स्वनिर्मित प्रशनावली तथा प्रक्त विश्लेषण के लिये क्रांतिक अनुपात परीक्षण का प्रयोग किया गया। अध्ययन में यह पता चला कि छात्र व छात्राओं की सामाजिक क्षमता में सार्थक अंतर पाया गया। छात्राओं की सामाजिक समस्याओं को सहने की क्षमता, छात्रों से उच्च पाई गयी।

रे एका एंड अरा (2011) के शोध अनुसार बालकों की अपेक्षा बालिकाओं का समायोजन उच्च पाया गया।

डेनियर अरबेरी (2004) के शोध अनुसार किशोरों की अपेक्षा किशोरियों में अधिक संवेगात्मक रूप से समायोजन पाया गया।

दीवान, रसीदू (2018) ने सामाजिक परिपक्वता और सामाजिक व आर्थिक स्तर का अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य सामाजिक परिपक्वता के साथ सामाजिक व आर्थिक स्तर के संबन्ध की खोज करना था। अध्ययन से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए - सामाजिक परिपक्वता के सन्दर्भ में किशोर व किशोरियों की बुद्धि लब्धि समान है तथा सामाजिक परिपक्वता पर निवेश और लिंग कोई पारस्परिक प्रभाव सम्पादित नहीं करते हैं।

शोध प्रविधि

शोध अध्ययन का क्षेत्र

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु बड़वानी जिले का चयन किया गया। बड़वानी जिले में निवास करने वाले महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियों को लिया गया।

शोध अध्ययन का समग्र

बड़वानी जिले में निवास करने वाले 17 से 21 वर्ष के कुल 320 महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियाँ प्रस्तुत अध्ययन का समग्र है।

शोध अध्ययन में प्रतिदर्श इकाई का चयन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर प्रतिदर्श इकाई का चयन किया गया।

1 बड़वानी जिले में निवास करने वाले महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियों को लिया गया।

2 उन्हीं महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियों को लिया गया जिनकी उम्र 17-21 वर्ष है।

3 प्रस्तुत शोध अध्ययन में कुल 320 प्रतिदर्श का चयन किया गया।

4 उन्हीं किशोर एवं किशोरियों को लिया गया जो महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत हैं।

शोध अध्ययन के चर

1 स्वतंत्र चर

i लिंग (किशोर - किशोरियाँ)

ii बुद्धि लब्धि

2 आश्रित चर

किशोर बालकों एवं किशोर बालिकाओं का समायोजन (पारिवारिक समायोजन, शैक्षणिक समायोजन, सांवैगिक समायोजन, सामाजिक समायोजन)

तथ्य संकलन हेतु प्रयुक्त उपकरण का चुनाव

प्रस्तुत शोध कार्य में तथ्यों को एकत्रित करने के लिए डॉ.एस.के.पाल एवं डॉ.के.एस. मिश्रा (इलाहाबाद) द्वारा निर्मित Test of general intelligence for college students (TGI) और प्रो. डी.एन.श्रीवास्तव एवं डॉ.गोविन्द तिवारी (आगरा) द्वारा निर्मीत The adjustment inventory (for gradate and post graduate students only) शोध उपकरण का प्रयोग किया गया।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत शोध कार्य में किशोरो एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि एवं समायोजन का अध्ययन करने हेतु तथ्यों के विश्लेषण के लिये प्रतिशत विधि, माध्य एवं टी-परीक्षण और एनोवा टेस्ट का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की सीमाएं

1 प्रस्तुत शोध कार्य में बड़वानी जिले के महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियों को ही लिया गया।

2 प्रस्तुत शोध कार्य में बड़वानी जिले से कुल 320 महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियों को ही लिया गया।

3 प्रस्तुत शोध कार्य में 17 से 21 वर्ष के महाविद्यालयीन किशोर एवं किशोरियों को ही लिया गया।

4 प्रस्तुत शोध कार्य में उन्हीं किशोर एवं किशोरियों को ही लिया गया है जो महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत हैं।

प्रतिचयन विधि का चयन

प्रस्तुत शोध अध्ययन मे निदर्शन चयन हेतु सर्वप्रथम हमने उद्देश्यानुसार बड़वानी जिले का चयन किया। बड़वानी जिले में कुल 9 तहसील हैं। इसमें से देव निदर्शन विधि द्वारा 4 तहसीलों का चयन कर, प्रत्येक

तहसील से लाटरी विधि द्वारा 4-4 गांवों का चयन किया गया। प्रत्येक गांव से लाटरी विधि द्वारा 10 महाविद्यालयीन किशोर एवं महाविद्यालयीन किशोरियों का चयन किया गया है ।

तथ्यों का सारणीयन, प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण

तथ्यों का सारणीयन, प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण करने का तात्पर्य यह है कि तथ्यों को क्रमबद्ध, स्पष्ट एवं संक्षिप्त रूप प्रदान करना जिससे उनके सांख्यिकीय विश्लेषण एवं विवेचन में विशिष्ट सुविधा उपलब्ध हो सके।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के अंतर्गत 160 किशोरों एवं 160 किशोरियों का चयन कर बुद्धि परिक्षण एवं समायोजन सूची के माध्यम से बुद्धि लब्धि एवं समायेजन (पारिवारिक, शैक्षणिक, संवेगात्मक सामाजिक समायोजन) के मध्य संबंध का अध्ययन किया गया।

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि प्रस्तुत शोध अध्ययन में चयनित किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि पांच वर्गों में विभाजित है, जो इस प्रकार है - 140 से अधिक प्रतिभाशाली, 120 से 139 तक बुद्धि लब्धि प्रखर बुद्धि मानी जाती है, 110 से 119 तक बुद्धि लब्धि तीव्र बुद्धि के अंतर्गत आती है, 90 से 109 तक बुद्धि लब्धि सामान्य बुद्धि व 80 से कम मंद बुद्धि कहलाती है। उपर्युक्त तालिका में किशोरों की बुद्धि लब्धि के संदर्भ में कहा जा सकता है कि 23 (14%) 110 से 120 तक तीव्र बुद्धि में आते हैं। 137 (86%) किशोर 90 से 109 तक सामान्य बुद्धि के अंतर्गत आते हैं व प्रतिभाशाली, प्रखर बुद्धि तथा मंद बुद्धि में कोई भी किशोर नहीं है। इसी तरह से 03 (2%) किशोरी 120 से 139 तक प्रखर बुद्धि के अंतर्गत, 36 (22.5%) किशोरी 110 से 119 तक तीव्र बुद्धि के अंतर्गत, 121 (75.5%) किशोरी 90 से 109 तक सामान्य बुद्धि के अंतर्गत आती हैं व प्रतिभाशाली तथा मंद बुद्धि में कोई भी किशोरी नहीं है। तुलनात्मक अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि किशोरियों की बुद्धि लब्धि किशोरों की अपेक्षा अधिक है।

H01 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

H01 परिणाम

तालिका

किशोर एवं किशोरियों की तुलनात्मक बुद्धि लब्धि का माध्य एवं टी-परीक्षण संबंधी विवरण

	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी-परीक्षण	सार्थकता मान
बुद्धि लब्धि	किशोर	160	1.143	0.3519	0.027	2.516	.012
	किशोरी	160	1.262	0.4822	0.038		

0.05 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक

उपर्युक्त तालिका में किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि के माध्य को दर्शाया गया है, जिसके अंतर्गत किशोर समूह का माध्य 1.143 जो कि किशोरियों के समूह के माध्य 1.262 से कम है। उपर्युक्त तालिका में टी-परीक्षण के मान को दर्शाया गया है। टी-टेस्ट का मान 2.516 जो कि सारणीकृत मान

1.96 से अधिक है व 0.012<0.05 पर सार्थक है। जिससे स्पष्ट है कि किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि में सार्थक अंतर है व किशोरियों की बुद्धि लब्धि किशोरों की बुद्धि लब्धि से अधिक है। अतः इस संदर्भ में उपरोक्त परिकल्पना "किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" को अस्वीकृत किया जाता है।

दीवान, रसीदू (2018) - ने सामाजिक परिपक्वता और सामाजिक आर्थिक स्तर का अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य सामाजिक परिपक्वता के साथ सामाजिक व आर्थिक स्तर के संबंध की खोज करना था अध्ययन से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए सामाजिक परिपक्वता के संदर्भ में किशोर व किशोरियों कि बुद्धि लब्धि समान है तथा सामाजिक परिपक्वता पर निवेश और लिंग कोई पारस्परिक प्रभाव सम्पादित नहीं करते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन तालिका में किशोर एवं किशोरियों के परिवारिक समायोजन को पांच वर्गो में श्रेणीबद्ध कर दर्शाया गया है।

पारिवारिक समायोजन को पांच वर्गों में विभाजित किया गया है जैसे &A+ , उत्तम, A - अच्छा, B - सामान्य, C -. असंतुष्ट, –C. अधिक असंतुष्ट। इस संदर्भ में 17 (10.6%) किशोरों का पारिवारिक समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 0-1 है, 89 (55.6%) किशोरों का परिवारिक समायोजन अच्छा है जिसकी रेंज 2-3 है, 51 (31.8%) किशोरों का पारिवारिक समायोजन सामान्य है, जिसकी रेंज 4-6 है, 03 (2%) किशोरों का पारिवारिक समायोजन असंतुष्ट है, जिसकी रेंज 7-8 व अधिक असंतुष्ट (9 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोर नहीं है। इसी प्रकार किशोरियों का पारिवारिक समायोजन के संदर्भ में 32 (20%) किशोरियों का पारिवारिक समायोजन उत्तम है, जिसकी रेंज 0-1 है, 93 (58%) किशोरियों का परिवारिक समायोजन अच्छा है, जिसकी रेंज 2-3, 35 (22%) किशोरियों का पारिवारिक समायोजन सामान्य है, जिसकी रेंज 4-5 व असंतुष्ट 6-7 तथा अधिक असंतुष्ट (8 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोरी नहीं है। पारिवारिक समायोजन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि किशोरियों का पारिवारिक समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक है।

H02 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजनका के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है

H02 परिणाम

तालिका

Group Statistics

किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजनका माध्य एवं टी-परीक्षण संबंधी विवरण

बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी-परीक्षण	सार्थकता मान
	किशोर	160	3.7500	.66351	.05246	3.152	.002
	किशोरी	160	3.9813	.64887	.05130		

0.05 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक

उपर्युक्त तालिका में पारिवारिक समायोजन के संदर्भ में किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि के माध्य का अंतर दर्शाया गया है। किशोर समूह का माध्य 3.75 व किशोरियों के समूह का माध्य 3.98 पाया गया। किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध में टी-परीक्षण के मान को दर्शाया गया है। टी-टेस्ट का मान 3.152 जो कि सारणीकृत मान 1.96 से अधिक है व 0.002<0.05 पर सार्थक है। अंतः तथ्यों से स्पष्ट होता है कि किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर है। किशोरियों का पारिवारिक समायोजन किशोरों से अधिक पाया गया है। इस संदर्भ में उपरोक्त परिकल्पना, 'किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नही पाया जाता है' को अस्वीकृत किया जाता है।

शाह, बीना (2018) ने किशोरों के घर समायोजन में पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य किशोरों के घर समायोजन में पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना, किशोरों के घर समायोजन में पारिवारिक वातावरण, सामान्य बुद्धि और सामाजिक आर्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना तथा घर पर समायोजन में पारिवारिक वातावरण के लैंगिक तथा क्षेत्रीय प्रभाव का अध्ययन करना था।

अध्ययन में निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए:

- छात्रों का घर समायोजन, संतोषजनक पारिवारिक वातावरण से असंतोषजनक पारिवारिक वातावरण से अच्छा रहा जबकि उनकी सामान्य बुद्धि और सामाजिक स्तर समान थी।
- बालिकाओं के पारिवारिक समायोजन में पारिवारिक वातावरण का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं रहा।
- शहरी किशोर छात्रों का संतोषजनक पारिवारिक वातावरण में समायोजन, ग्रामीण किशोर छात्रों के असंतोषजनक पारिवारिक वातावरण से सार्थक स्तर से उच्च पाया गया।
- शहरी छात्रों के पारिवारिक समायोजन में पारिवारिक वातावरण का सामान्य रूप से प्रभाव दिखाई पड़ा।
- ग्रामीण किशोर छात्र एवं छात्राआं के संतोषजनक पारिवारिक वातावरण और असंतोषजनक पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

प्रस्तुत अध्ययन तालिका में किशोर एवं किशोरियों के शैक्षणिक समायोजन को पांच वर्गो में श्रेणीबद्ध कर दर्शाया गया है।

शैक्षणिक समायोजन को पांच वर्गों में विभाजित किया गया है जैसे A+ - उत्तम, A - अच्छा, B -. सामान्य, C - असंतुष्ट, –C - अधिक असंतुष्ट। इस संदर्भ में 46(28.7%) किशोरों का शैक्षणिक समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 0-1 है, 99 (61.8%) किशोरों का शैक्षणिक समायोजन अच्छा है जिसकी रेंज 2-3 है, 14 (8.7) किशोरों का शैक्षणिक समायोजन सामान्य है जिसकी रेंज 4-7 है, 01 (.8%) किशोरों का शैक्षणिक समायोजन असंतुष्ट है, जिसकी रेंज 8-12व अधिक असंतुष्ट (13 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोर नहीं है। इसी प्रकार किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन के संदर्भ में 47(29.2%) किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 0-1 है,112 (70%) किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन अच्छा है, जिसकी रेंज 2-3, 01 (.8%) किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन सामान्य

है, जिसकी रेंज 4-6 व असंतुष्ट 7-11 तथा अधिक असंतुष्ट (12 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोरी नहीं है। शैक्षणिक समायोजन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक है।

H03 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है

H03 परिणाम

तालिका

Group Statistics

किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन का माध्य एवं टी-परीक्षण संबंधी विवरण

बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी-परीक्षण	सार्थकता मान
	किशोर	160	4.1875	.60592	.04790	1.653	.099
	किशोरी	160	4.2875	.46767	.03697		

उपर्युक्त तालिका मे शैक्षणिक समायोजन के संदर्भ मे किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि के माध्य का अंतर दर्शाया गया है।किशोर समुह का माध्य 4.18 व किशोरियों के समूह का माध्य 4.28 पाया गया उपरोक्त टी-टेस्ट तालिका में किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन के संबंध में टी-परीक्षण के मान को दर्शाया गया है। टी-टेस्ट का मान 1.653 जो कि सारणीकृत मान 1.96 से कम है व 0.099>0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः इस संदर्भ में उपरोक्त परिकल्पना "किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" को स्वीकृत किया जाता है। अतः तथ्य से स्पष्ट होता है कि किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के समान है।

राव (1986) - ने अपने अध्ययन में पाया गया कि शैक्षिक समायोजन में लिंग भिन्नता नही पायी जाती है।

प्रस्तुत अध्ययन तालिका में किशोर एवं किशोरियों के संवेगात्मक समायोजन को पांच वर्गों में श्रेणीबद्ध कर दर्शाया गया है।

संवेगात्मक समायोजन को पांच वर्गों में विभाजित किया गया है जैसे A+ उत्तम, A - अच्छा, B -. सामान्य, C असंतुष्ट, –C अधिक असंतुष्ट। इस संदर्भ में 05(3%) किशोरों का संवेगात्मक समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 0-1 है, 135 (84.5%) किशोरों का संवेगात्मक समायोजन अच्छा है जिसकी रेंज 2-6 है, 20 (12.5) किशोरों का संवेगात्मक समायोजन सामान्य है जिसकी रेंज 7-11 है, असंतुष्ट जिसकी रेंज 12-15 अधिक असंतुष्ट (16 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोर नहीं है। इसी प्रकार किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन के संदर्भ में 45(28%) किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन उत्तम है, जिसकी रेंज 0-1 है,114 (71.2%) किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन अच्छा है, जिसकी रेंज 2-6,

01 (.8%) किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन सामान्य है, जिसकी रेंज 7-12 व असंतुष्ट 13-17 तथा अधिक असंतुष्ट (18 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोरी नहीं है। संवेगात्मक समायोजन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक है।

H04 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है

H04 परिणाम

तालिका

Group Statistics

किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन का माध्य एवं टी-परीक्षण संबंधी विवरण

बुद्धि	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी-परीक्षण	सार्थकता मान
लब्धि और संवेगात्मक समायोजन	किशोर	160	4.1438	.35194	.02782	3.107	.002
	किशोरी	160	4.2875	.46767	.03697		

0.05 विश्वसनीयता स्तर पर सार्थक

उपर्युक्त तालिका में संवेगात्मक समायोजन के संदर्भ में किशोर समूह का माध्य 4.14 व किशोरियों के समूह का माध्य 4.28 पाया गया। उपर्युक्त टी-टेस्ट तालिका में किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन के संबंध में टी-परीक्षण के मान को दर्शाया गया है। टी-टेस्ट का मान 3.107 जो कि सारणीकृत मान 1.96 से अधिक है व 0.002<0.05 पर सार्थक है। अतः इस संदर्भ में उपर्युक्त परिकल्पना "किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" को अस्वीकृत किया जाता है।अतः तथ्यों से स्पष्ट होता है कि किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरो के संवेगात्मक समायोजन से अधिक है।

डेनियर अरवेरी (2004) के शोध अनुसार किशोरो की अपेक्षा किशोरियों संवेगात्मक रूप से अधिक समायोजित पाई गई।

प्रस्तुत अध्ययन तालिका में किशोरों एवं किशोरियों के सामाजिक समायोजन को पांच वर्गो मे श्रेणीबद्ध कर दर्शाया गया है।

सामाजिक समायोजन को पांच वर्गों में विभाजित किया गया है जैसे A+ - उत्तम, A - अच्छा, B - सामान्य, C - असंतुष्ट, –C - अधिक असंतुष्ट। इस संदर्भ में 32(20%) किशोरों का सामाजिक समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 0-1 है, 119(74.4%) किशोरों का सामाजिक समायोजन अच्छा है जिसकी रेंज 2-6 है, 09 (5.6) किशोरों का सामाजिक समायोजन सामान्य है जिसकी रेंज 7-8 है, असंतुष्ट जिसकी रेंज 9-11व अधिक असंतुष्ट (12 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोर नहीं है। इसी प्रकार किशोरियों का सामाजिक समायोजन के संदर्भ में 72(45%) किशोरियों का सामाजिक समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 0-2 है,88 (55%) किशोरियों का सामाजिक समायोजन अच्छा है, जिसकी रेंज 3-6

है सामान्य, जिसकी रेंज 7-8 व असंतुष्ट 9-10 तथा अधिक असंतुष्ट (11 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोरी नहीं है। सामाजिक समायोजन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि किशोरियों का सामाजिक समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक है।

H05 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है

H05 परिणाम

तालिका

Group Statistics

किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन का माध्य एवं टी-परीक्षण संबंधी विवरण

बुद्धि	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी-परीक्षण	सार्थकता मान
लब्धि और संवेगात्मक समायोजन	किशोर	160	4.1563	.46980	.03714	5.421	.000
	किशोरी	160	4.4500	.49906	.03945		

0.05 विश्वनीयता स्तर पर सार्थक

उपर्युक्त तालिका में सामाजिक समायोजन के संदर्भ में किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि के माध्य का अंतर दर्शाया गया है। किशोर समूह का माध्य 4.15 व किशोरियों के समूह का माध्य 4.45 पाया गया। उपर्युक्त टी-टेस्ट तालिका में किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन के संबंध में टी-परीक्षण के मान को दर्शाया गया है। टी-टेस्ट का मान 5.421 जो कि सारणीकृत मान 1.96 से अधिक है व 0.000<0.05 पर सार्थक है। अतः इस संदर्भ में उपर्युक्त परिकल्पना "किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" को अस्वीकृत किया जाता है। अतः तथ्यों से स्पष्ट होता है की किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर है। किशोरियों का सामाजिक समायोजन, किशोरों के सामाजिक समायोजन से अधिक पाया गया।

पाण्डे, राजेश एवं तिवारी, सारिका (2008) ने विद्यार्थियों में सामाजिक समायोजन क्षमता का वैज्ञानिक विश्लेषण विषय पर अध्ययन किया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की समाजिक समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इसके लिये न्यादर्श के रूप में उच्चतर माध्यमिक स्तर के 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया, प्रदत्त संकलन के लिये स्वनिर्मित प्रश्नावली तथा प्रक्त विश्लेषण के लिये क्रांतिक अनुपात परीक्षण का प्रयोग किया गया अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि छात्र व छात्राओं की सामजिक समायोजन क्षमता में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं की सामाजिक समायोजन क्षमता, छात्रों से उच्च पाई गयी।

प्रस्तुत अध्ययन तालिका में किशोरों एवं किशोरियों के सम्मिलित समायोजन को पांच वर्गो मे श्रेणीबद्ध कर दर्शाया गया है।

सम्मिलित समायोजन को पांच वर्गों में विभाजित किया गया है जैसे +A - उत्तम समायोजन, A - अच्छा समायोजन, B - सामान्य समायोजन, C - असंतुष्ट समायोजन, –C - अधिक असंतुष्ट समायोजन। इस संदर्भ में 31(19.2%) किशोरों का सम्मिलित समायोजन उत्तम है, जिसकी रेंज 8 व उससे कम है, 128 (80%) किशोरों का सम्मिलित समायोजन अच्छा है जिसकी रेंज 9-22 है, 01 (.8%) किशोरों का सम्मिलित समायोजन सामान्य है जिसकी रेंज 23-34 है तथा असंतुष्ट समायोजन जिसकी रेंज 35-46 व अधिक असंतुष्ट समायोजन (47 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोर नहीं है। इसी प्रकार किशोरियों का सम्मिलित समायोजन के संदर्भ में 30 (19%) किशोरियों का सम्मिलित समायोजन उत्तम है जिसकी रेंज 8 व उससे कम है, 130 (81%) किशोरियों का सम्मिलित समायोजन अच्छा है, जिसकी रेंज 9-20 है, सामान्य समायोजन, जिसकी रेंज 21-32 व असंतुष्ट समायोजन 33-41 तथा अधिक असंतुष्ट समायोजन (42 व अधिक) की रेंज में कोई भी किशोरी नहीं है। सम्मिलित समायोजन के संदर्भ में कहा जा सकता है कि किशोरियों का सम्मिलित समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक है।

H06 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन के संबंध में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है

H06 परिणाम

तालिका

किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन का माध्य एवं टी-परीक्षण संबंधी विवरण

बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन	समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी-परीक्षण	सार्थकता मान
	किशोर	160	16.2375	1.44278	.11406	4.152	.000
	किशोरी	160	17.0063	1.86493	.14744		

0.05 विश्वनीयता स्तर पर सार्थक

उपर्युक्त तालिका में किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन के माध्य को दर्शाया गया है, जिसके अंतर्गत किशोर समूह का माध्य 16.237 जो कि किशोरियों के समूह के माध्य 17.006 से कम हे।उपरोक्त तालिका में टी-परीक्षण के मान को दर्शाया गया है। टी-टेस्ट का मान 4.152 जो कि सारणीकृत मान 1.96 से अधिक है व 0.000<0.05 पर सार्थक है। अतः इस संदर्भ में उपर्युक्त परिकल्पना "किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है" को अस्वीकृत किया जाता है। अतः तथ्यों से स्पष्ट होता है कि किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन में सार्थक अंतर है, किशोरियो का सम्मिलित समायोजन, किशोरों के सम्मिलित समायोजन से अधिक पाया गया।

रे एक्का एण्ड अरा (2011) के शोध अनुसार बालकों की अपेक्षा बालिकाओं का समायोजन उच्च पाया गया।

प्रस्तुत शोध से प्राप्त तथ्यों से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए।

1 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि में सार्थक अंतर का अध्ययन करने पर प्राप्त परिणामों के आधार पर किशोरियों की बुद्धि लब्धि किशोरों की बुद्धि लब्धि से अधिक पायी गई।

2 किशोर एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और पारिवारिक समायोजन के संबंध में किशोरियों का पारिवारिक समायोजन किशोरों की तुलना में अधिक पाया गया।

3 किशोरियों का शैक्षणिक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के शैक्षणिक समायोजन के समान पाया गया अर्थात् किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और शैक्षणिक समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

4 किशोरियों का संवेगात्मक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के संवेगात्मक समायोजन से अधिक पाया गया अर्थात् किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और संवेगात्मक समायोजन में सार्थक अंतर है।

5 किशोरियों का सामाजिक समायोजन बुद्धि लब्धि के संबंध में किशोरों के सामाजिक समायोजन से अधिक पाया गया अर्थात् किशोरों एवं किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सामाजिक समायोजन में सार्थक अंतर है।

6 बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन के संबंध में किशोर एवं किशोरियों में सार्थक अंतर है। यह स्पष्ट है कि किशोरियों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन, किशोरों की बुद्धि लब्धि और सम्मिलित समायोजन से अधिक है।

संदर्भ ग्रन्थ

1 अग्निहोत्री पी.एन., बुद्धि परीक्षण, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ आकादमी, भोपाल संस्करण (1971)

2 आहुजा राम सामाजिक समस्याएँ, दिल्ली, रावत पब्लिकेशनस, 2000.

3 भार्गव उषा, किशोर मनोविज्ञान, राजधानी हिन्दी ग्रंथ अकादमी, 1997, पृष्ठ 175-191.

4 हरलाक ई,बी., किशोरावस्था विकास, संस्करण (1960)

5 डॉ.जायसवाल सीताराम, समायोजन मनोविज्ञान, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ आकादमी, लखनऊ संस्करण (1975)

6 डॉ. जैन शशिप्रभा, मानव विकास परिचय, शिवा प्रकाशन, खजुरी बाजार, इन्दौर-2 पृष्ठ 194-196

7 डॉ. जैन शशिप्रभा, किशोरावस्था ,शिवा प्रकाशन इन्दौर, पृष्ठ 62,1374

8 कपिल एच.के., अनुसंधान विधियां (व्यवहार परक विज्ञानों) मनोविज्ञान विभाग, रीडर एवं अध्यक्ष, राजा बलवन्तसिंह महाविद्यालय आगरा, एच.पी. भार्गव बुक हाउस

9 महाजन एवं महाजन, सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियाँ 2015, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली-7.

10 माणि शारदा, किशोर मनोविज्ञान, 1993

शोध पत्र-पत्रिकाएँ

11 दीवान, रसीद् (2018) - सामाजिक परिपक्वता और सामाजिक व आर्थिक स्तर का अध्ययन, लघु शोध प्रबन्ध, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, पृष्ठ 7

12 डेनियर अरबेरी (2004), फ्रेंडसशिप एंड एडेज्समेंट अंमग एडोओसेंट जनरल आफ एक्सप्रीमेंटल चाईल्ड फीसियोलाजी, वोल्यूम 88 p 68-82

13 राय एका एंड अरा एडज्सटमेंट अंमग युनिवर्सिटी स्टुडेंट जनरल फार सोशल डेवलोपमेंटVol. 2. (2), ISDR, Ranchi

14 तृषा शर्मा (2019) "उच्च शैक्षिक उपलब्धि तथा निम्न शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थियों के मध्य बुद्धि के आयामों की तुलना" रिव्यु आफ रिसर्च वोल्यूम 8, इश्यु

15 राय एका एंड अरा एडज्सटमेंट अंमग युनिवर्सिटी स्टूडेन्ट्स जनरल फॉर सोशल डेवलोपमेंटVOL. 2.(2) ISDR, Ranchi

16 शाह बीना (2018) होम एडजेस्टमेन्ट आफ स्टूडेन्ट्स इफेक्ट आफ फेमिली क्लाईमेट, इंण्डियन एजूकेशनल रिव्यू वाल्यूम -24 (3), वाई.एम.बी. बुच फिफथ सर्वे इन एजूकेशनल रिसर्च-पृ. 1022 ।

17 BUCH, M.B. "Second surevey of research in education" Vol-II (1982) NCERT.